पाठ 3 - गिल्लू

लेखिका - महादेवी वर्मा

अनायास - यू ही बिना प्रयास के

हरीतिमा - हरियाली

स्वर्णिम - सोने जैसा सुनहरा

काकभुशुंडि - कौआ, एक ऋषि का नाम

समादृत - सम्मानित

अवमानित - तिरस्कृत

पुरखे - पुराने लोग (बुजुर्ग, दादा - परदादा)

काक - कौआ

अवतीर्ण - प्रकट होना

दुरस्त - दूर स्थित

कर्कश - कानों को बुरा लगने वाला

काक पुराण - कौवे का पुराण

काकद्धय - दोनों कौवे

छुआ- छुऔवल - एक दूसरे को छूने का एक प्रकार का खेल

संधि - मिलन बिंदु

जीव - प्राणी

दृष्टि - नजर

संभवत - शायद

सुलभ - सरलता से प्राप्त

आहार - भोजन

लघु प्राण - छोटा प्राणी

निश्चेष्ट - जो हिल डुल न रहा हो

रक्त - खून

पेंसिलिन - घाव पर लगाने वाली एक प्रकार की दवाई

ढुलक जाना - गिर जाना

उपचार - इलाज

उपरांत - बाद

अस्वस्थ - बीमार

आश्वस्त - चैन में आना

मास - महीना

स्निग्ध - चिकना

झब्बेदार - खूब बालों वाली

विस्मित - आश्चर्यचकित

स्वयं - खुद

कार्यकलाप - गतिविधि

मनका - मोती

तीव्र - तेज

उपाय - तरीका

लघुगात - छोटा सा शरीर

अदभूत - आश्चर्यजनक

मुक्त - खुला, आजाद, स्वतंत्र

नित्यक्रम - रोज की बात

उत्पन्न - पैदा

चुन्नत - सिलवटें

स्मरण - याद

अपवाद - नियम से भिन्न

खाद्य - खाने की वस्तु, खाने योग्य पदार्थ

दुर्घटना - बुरी घटना

आहत - घायल अवस्था, तबीयत ठीक नहीं होना

परिचारिका - सेवा करने वाली स्त्री

यातना - कष्ट, दुख

Scanned by TapScanner

मरणासन्न - मरने के नजदीक

उष्णता - गर्मी

प्रभात - प्रात:काल

स्पर्श - छूना

समाधि - किसी की याद में उसकी अंत्येष्टि स्थल पर किया गया निर्माण

पीताभ - पीली आभा वाले

Scanned by TapScanner